STD - VI

Ch - 22 Date - 04 - 1 - 21 (Tuesday)

प्र-1- श्रवण कुमार का नित्य का नियम क्या था ?

उ रात को श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को भोजन कराकर बड़े जतन से उनका बिस्तर बिछाता था। जब दोनों लेट जाते थे तो वह अपने पिता के पैर दबाता था। यह उसका नित्य का नियम था।

2- श्रवण कुमार के पिता को क्या लालसा थी ?

उ- श्रवण कुमार के पिता को तीर्थ करने की लालसा थी।

3- श्रवण कुमार के लिए पिता-माता को तीर्थयात्रा कराना उसका धर्म क्यों था ?

उ- श्रवण कुमार के लिए पिता-माता को तीर्थयात्रा करना उसका धर्म था क्योंकि वह उनका इकलौता बेटा था, उनसे बहुत प्यार करता था उनकी सेवा करता था और वह बूढ़े माँ-बाप की आँखों की रोशनी था.

4- गाँव के लोग श्रवण को बहुत प्यार क्यों करते थे ?

उ- श्रवण कुमार को मातृभक्ति और पितृभक्ति के कारण गाँव के सभी लोग उसे बहुत प्यार करते थे.

5- जब श्रवण कुमार अपने माता-पिता को तीर्थयात्रा पर ले जा रहा था तो सारा गाँव क्यों उमड़ पड़ा ?

उ- जब श्रवण कुमार अपने माता-पिता को तीर्थयात्रा पर ले जा रहा था तो सारा गाँव उमड़ पड़ा क्योंकि उस दिन से पहले उन्होंने कभी ऐसा दृश्य नहीं देखा था, एक बेटे का अपने माता-पिता के लिए इतना प्यार देखकर सारा गाँव उमड़ पड़ा.

6- राजा दशरथ कौन थे ? उन्होंने श्रवण को और तीर क्यों छोड़ा ?

उ- राजा दशरथ रघुवंशी और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के पिता थे. नदी के किनारे से जब खाली बर्तन की आवाज़ आई तो उन्हें लगा कि कोई हाथी आया है, इसलिए उन्होंने तीर चला दी. परन्तु दुर्भाग्यवस वह तीर श्रवण को लग गई.

1- भाषा और व्याकरण

उपवाक्य

(क) टेरेसा जहाँ रहती है वहाँ बर्फ नहीं पड़ती।

(ख) जासूस झाड़ियों में छिपकर बैठ गया ताकि हवेली में जानेवालों को देख सके।

(ग) सतनाम को पता है कि आज अखबार नहीं आएगा क्योंकि कल होली थी।

2- उपसर्ग

अ - अप्रीति, असंतोष, अधिकार

सु - सुविचार, सुकुमारी, सुसज्जित

वि - विश्वास, विक्रम, विराग

शब्दार्थ

अपंग - अंगहीन

मोहताज - मंत्रमुग्ध

झिड़कार - डाँटना

सराहो - प्रशंसा करना

जली-कटी - ईर्ष्या या क्रोध

काँवर - बाँस की बनी बड़ी तराजू जिसे कंधे पर रखकर लोग तीर्थयात्रा करते थे।

दुर्गम - जहाँ पहुँचना कठिन हो।

संकल्प - विचार, इरादा

आश्वासन - आशा दिलाना

उमड़ - बाढ़ / overflow

रोयें-रोयें - रोना / crying

चौकड़ी - छलाँग

तलैया - छोटा तालाब

फव्वारा - Fountain

धिक्कारना - निंदा करना

शंकित - संदेह भरे

हिम्मत - साहस

ढाढ़स - हौसला, धैर्य